National Sanskrit University, Tirupati

Acharya Hindi Soft course Syllabus

Paper -5 (optional Subjects) First Semester

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकास से आधुनिक काल तक)

उद्देश्य

1. हिंदी साहित्य के इतिहास की प्रासंगिकता को उद्घाटित करना।
2. आदिकालीन हिंदी के स्वरूप पर सम्यक् प्रकाश डालना।
3. प्रमुख सगुण एवं निर्गुण सम्प्रदाय तथा सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताओं को उजागर करना।
4. उपन्यास, कहानी एवं नाटक के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालना।

इकाई - 1

1.हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा - कालविभाजन एवं नामकरण की समस्या

2. आदिकालीन साहित्य की पृष्टभूमि

3. आदिकालीन हिंदी का जैन, सिद्ध, नाथ व अन्य साहित्य - रसोकाव्य एवं अन्य साहित्यिक सामाग्री

4. आदिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ

इकाई - 2

1.भक्तिकाली पृष्टभूमि और भक्ति आंदोलन

2. निर्गुण भक्ति साहित्य

1. संतकाव्य - दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ, प्रतिनिधि कवी

2. सूफीकाव्य - दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ, प्रतिनिधि कवी

3. सगुण भक्ति साहित्य

1. रामभक्ति काव्य दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ, प्रतिनिधि कवी

2 करिश्भाक्ति काव्य - दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ, प्रतिनिधि कवी

इकाई - 3

1.रीतिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ

2. रीतिकालीन काव्यधाराएँ प्रमुख कवि और काव्य रचनाएँ

इकाई - 4

1.आधुनिक काल की परिस्थितियाँ

2.आधुनिक काल की प्रवृतियाँ - भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद

3. आधुनिक हिंदी गद्य की विधाएँ

इकाई - 5

1.उपन्यास साहित्य का उद्भव एवं विकास

2. कहानी साहित्य का उद्भव एवं विकास

3. नाटक साहित्य का उद्भव एवं विकास

सहायक ग्रन्थ

हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

Semester -2

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से आधुनिक काल तक)

उद्देश्य

1.हिंदी साहित्य के इतिहास की प्रासंगिकता को उद्घाटित करना।

2. आदिकालीन हिंदी के स्वरूप पर सम्यक प्रकाश डालना।

3. प्रमुख सगुण एवं निर्गुण सम्प्रदाय तथा सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताओँ को उजागर करना।

4. उपन्यास, कहानी एवं नाटक के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालना।

इकाई - 1

1.हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा - कालविभाजन एवं नामकरण की समस्या

2. आदिकालीन साहित्य की पृष्टभूमि

3. आदिरकालीन हिंदी का जैन, सिद्ध, नाथ व अन्य साहित्य रसोकाव्य एवं अन्य साहित्यिक सामग्री

4. आदिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ

इकाई - 2

1.भक्तिकालीन पृष्टभूमि और भक्ति आंदोलन

2. निर्गुण भक्ति साहित्य

1. संतकाव्य - दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ, प्रतिनिधि कवी

2. सूफीकाव्य - दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ प्रतिनिधि कवी

3. सगुण भक्ति साहित्य

1. रामभक्ति काव्य - दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ, प्रतिनिधि कवी

2. करिश्भाक्ति काव्य - दार्शनिकत पृष्भूमि, विशेषताएँ, प्रतनिधि कवी

इकाई - 3

रीतिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ

रीतिकालीन काव्यधाराएँ प्रमुख कवि और काव्य रचनाएँ

इकाई - 4

1.आधुनिक काल की परिस्थितियाँ

2. आधुनिक काल की प्रवृत्तियाँ - भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद

3. आधुनिक हिंदी गद्य की विधाएँ

इकाई -5

1.उपन्यास साहित्य का उद्भव एवं विकास

2. कहानी साहित्य का उद्भव एवं विकास

3. नाटक साहित्य का उद्भव एवं विकास

सहायक ग्रन्थ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

Semester -3

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से आधुनिक काल तक)

उद्देश्य

1.हिंदी साहित्य के इतिहास की प्रासंगिकता को उद्घाटित करना

2. आदिकालीन हिंदी के स्वरूप पर सम्यक् प्रकाश डालना।

3. प्रमुख सगुण एवं निर्गुण सम्प्रदाय तथा सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताओं को उजागर करना।

4. उपन्यास, कहानी एवं नाटक के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालना।

इकाई -1

1.हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा कालविभाजन एवं नामकरण की समस्या

2. आदिकालीन साहित्य की पृष्टभूमि

3. आदिकालीन हिंदी का जैन, सिद्ध, नाथ व अन्य साहित्य रसोकाव्य एवं अन्य साहित्यिक सामग्री

4. आदिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ

इकाई - 2

1. भक्तिकालीन पृष्टभूमि और भक्ति आंदोलन
2. निर्गुण भक्तिसाहित्य
    1. संतकाव्य - दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ, प्रतिनिधि कवी
    2. सूफीकाव्य -दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ प्रतिनिधि कवी
    3. सगुण भक्ति साहित्य
1. रामभक्ति काव्य दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ, प्रतिनिधि कवी
2. करिश्भाक्ति काव्य - दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ प्रतिनिधि कवी

इकाई - 3

1. रीतिकाली साहित्य की प्रवृत्तियाँ
2. 2. रीतिकालीन काव्यधाराएँ प्रमुख कवि और काव्य रचनाएँ

इकाई - 4

1. आधुनिक काल की परिस्थितियाँ
2. आधुनिक काल की प्रवृत्तियाँ - भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद
3. आधुनिक हिंदी गद्य की विधाएँ

इकाई - 5

1. उपन्यास साहित्य का उद्भव एवं विकास
2. कहानी साहित्य का उद्भव एवं विकास
3. नाटक साहित्य का उद्भव एवं विकास

सहायक ग्रन्थ

1. ह हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

Semester -4

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से आधुनिक काल तक)

उद्देश्य

1.हिंदी साहित्य के इतिहास की प्रासंगिकता को उद्घाटित करना

2. आदिकालीन हिंदी के स्वरूप पर सम्यक् प्रकाश डालना।

3. प्रमुख सगुण एवं निर्गुण सम्प्रदाय तथा सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताओं को उजागर करना।

4. उपन्यास, कहानी एवं नाटक के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालना।

इकाई -1

1.हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा कालविभाजन एवं नामकरण की समस्या

2. आदिकालीन साहित्य की पृष्टभूमि

3. आदिकालीन हिंदी का जैन, सिद्ध, नाथ व अन्य साहित्य रसोकाव्य एवं अन्य साहित्यिक सामग्री

4. आदिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ

इकाई - 2

1.भक्तिकालीन पृष्टभूमि और भक्ति आंदोलन

2.निर्गुण भक्तिसाहित्य

1.संतकाव्य - दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ, प्रतिनिधि कवी

2.सूफीकाव्य -दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ प्रतिनिधि कवी

3. सगुण भक्ति साहित्य

1. रामभक्ति काव्य दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ, प्रतिनिधि कवी

2.करिश्भाक्ति काव्य - दार्शनिक पृष्भूमि, विशेषताएँ प्रतिनिधि कवी

इकाई - 3

1.रीतिकाली साहित्य की प्रवृत्तियाँ

2. रीतिकालीन काव्यधाराएँ प्रमुख कवि और काव्य रचनाएँ

इकाई - 4

1.आधुनिक काल की परिस्थितियाँ

2.आधुनिक काल की प्रवृत्तियाँ - भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद

3.आधुनिक हिंदी गद्य की विधाएँ

इकाई - 5

1.उपन्यास साहित्य का उद्भव एवं विकास

2.कहानी साहित्य का उद्भव एवं विकास

3.नाटक साहित्य का उद्भव एवं विकास

सहायक ग्रन्थ

1.ह हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

2.हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल